रनवे से कक्षा तक: एयरोस्पेस मेडिसिन का 65वां सम्मेलन

समाचार-संदर्भ: 26-27 नवंबर 2026

प्रकाशन: 28 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस मेडिसिन



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

1. खबरों में क्यों
2. परिचय
3. ISAM और IAM: दो प्रमुख संस्थाएँ
4. 65वें सम्मेलन की खासियतें
5. आगे की राह
6. प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
7. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
8. स्रोत

खबरों में क्यों

भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसाइटी (ISAM) का **65वां वार्षिक सम्मेलन** 26–27 नवंबर 2026 को एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (IAM), बेंगलुरु में आयोजित हुआ। इसका उद्घाटन वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अशुतोष दीक्षित ने किया और पूर्व-आयोजन घोषणा में लगभग **250 प्रतिनिधियों** — सैन्य व नागरिक उड़ान क्षेत्र के चिकित्सा-पेशेवर, वायुसेना के पायलट, DRDO और एयरोस्पेस उद्योग के वैज्ञानिक — की भागीदारी अपेक्षित थी। इस वर्ष की थीम रही **'One Airspace – One Mission: Aeromedical Support from Runway to Orbit'** — यानी रनवे से लेकर अंतरिक्ष-कक्षा तक एक समन्वित एयरोमेडिकल सहायता।

परिचय

एयरोस्पेस मेडिसिन चिकित्सा-विज्ञान की वह शाखा है जो उड़ान और अंतरिक्ष के वातावरण में मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों — जैसे ऊँचाई पर ऑक्सीजन की कमी (हाइपॉक्सिया), तेज़ मोड़ पर **जी-बल** (गुरुत्व से कई गुना भार महसूस होना), दबाव-अंतर, सूक्ष्म-गुरुत्व (microgravity) और विकिरण — का अध्ययन करती है और पायलटों व अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने के मानक बनाती है। जैसे-जैसे भारत का नागरिक उड़ान-क्षेत्र बढ़ रहा है और **गगनयान** जैसा मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है, यह विषय परीक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हो गया है।

ISAM और IAM: दो प्रमुख संस्थाएँ

- **ISAM: 1952** में स्थापित भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसाइटी देश की **एकमात्र पंजीकृत एयरोमेडिकल सोसाइटी** है। यह **1954 से** अपना वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित कर रही है; इसका उद्देश्य ज्ञान-आदान-प्रदान और एयरोमेडिकल चुनौतियों पर अग्रणी शोध को बढ़ावा देना है।
- **IAM:** एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान, बेंगलुरु देश का **प्रमुख नोडल एयरोमेडिकल केंद्र** है। यह स्वदेशी विमानों की डिज़ाइन और विकास तथा भारत के **मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम** को चिकित्सा सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संबंधित लेख: **रॉकेट से आगे की तैयारी: गगनयान के अंतरिक्ष यात्री कैसे तैयार होते हैं?**

65वें सम्मेलन की खासियतें

- **थीम का संदेश:** 'One Airspace – One Mission' — सैन्य उड़ान, नागरिक उड़ान और मानव अंतरिक्ष उड़ान को एकीकृत करते हुए नैदानिक उत्कृष्टता (clinical excellence), प्रचालन चिकित्सा (operational medicine) और अग्रणी शोध को जोड़ना, ताकि उड़ान के हर क्षेत्र में मानक एकसमान और सहयोग मजबूत हो।
- **स्मृति व्याख्यान: एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी मेमोरियल ओरेशन** CEMILAC के मुख्य कार्यकारी श्री APVS प्रसाद ने दिया; **एयर वाइस मार्शल श्रीनागेश मेमोरियल ओरेशन** एयर वाइस मार्शल अनुपम अग्रवाल (सेवानिवृत्त), प्रधान सलाहकार (एयरोस्पेस मेडिसिन), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दिया।
- **JHF मानेकशॉ पैनल:** विंग कमांडर सुरेंद्र सोढ़ी (सेवानिवृत्त) और कर्नल KN राव (सेवानिवृत्त) जैसे विशेषज्ञों के विचार सुनने को मिले।
- **नई 'कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा व्याख्यान' शृंखला:** इस वर्ष सोसाइटी ने विंग कमांडर **राकेश शर्मा** (सेवानिवृत्त) — अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय — की विरासत के सम्मान में एक प्रीमियर व्याख्यान-शृंखला शुरू की। पहला व्याख्यान **Skyroot Aerospace के CEO पवन कुमार चंदना** ने दिया; इसका उद्देश्य अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य और अंतरिक्ष-चिकित्सा में भारत के बढ़ते पदचिह्न पर विचार-मंचन है।
- **वैज्ञानिक कार्यक्रम:** पैनल, संगोष्ठियों, पोडियम और पोस्टर सत्रों में **100 से अधिक शोधपत्रों** की प्रस्तुति निर्धारित थी; साथ ही अत्याधुनिक एयरोमेडिकल उपकरणों और बायोमेडिकल डिवाइस की **वैज्ञानिक प्रदर्शनी** का कार्यक्रम था।

आगे की राह

सम्मेलन का असली परिणाम सत्रों में साझा हुए शोध का प्रचालन में रूपांतरण होगा — स्वदेशी विमानों के मानव-तंत्र मानकों में, नागरिक उड़ान सुरक्षा में और गगनयान के चिकित्सा-प्रोटोकॉल में। 'राकेश शर्मा व्याख्यान' जैसी शृंखलाएँ अगली पीढ़ी के चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष-चिकित्सा से जोड़ सकती हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसाइटी (ISAM) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: इसकी स्थापना वर्ष 1952 में हुई थी

कथन 2: इसका 65वां वार्षिक सम्मेलन एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (IAM), बेंगलुरु में आयोजित हुआ

कथन 3: इस वर्ष के सम्मेलन में 'कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा व्याख्यान' शृंखला की शुरुआत की गई

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ **उत्तर और व्याख्या**

सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

कथन 1 सही है: ISAM की स्थापना 1952 में हुई; यह देश की एकमात्र पंजीकृत एयरोमेडिकल सोसाइटी है, जो 1954 से वार्षिक सम्मेलन कर रही है।

कथन 2 सही है: 65वां वार्षिक सम्मेलन 26–27 नवंबर 2026 को IAM, बेंगलुरु में हुआ।

कथन 3 सही है: इस वर्ष 'कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा व्याख्यान' शृंखला शुरू हुई, जिसका पहला व्याख्यान Skyroot Aerospace के CEO पवन कुमार चंदना ने दिया।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्रश्न 1. एयरोस्पेस मेडिसिन से क्या तात्पर्य है?

यह चिकित्सा-विज्ञान की शाखा है जो उड़ान और अंतरिक्ष के वातावरण (ऊँचाई, दबाव-अंतर, जी-बल, सूक्ष्म-गुरुत्व, विकिरण) में मानव शरीर के प्रभावों का अध्ययन और पायलटों व अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा-मानकों का निर्माण करती है।

प्रश्न 2. एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (IAM) की क्या भूमिका है?

बेंगलुरु स्थित IAM देश का प्रमुख नोडल एयरोमेडिकल केंद्र है, जो स्वदेशी विमानों की डिज़ाइन-विकास और भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम को चिकित्सा सहायता प्रदान करता है।

प्रश्न 3. 'कॉस्मोनॉट राकेश शर्मा व्याख्यान' क्या है?

ISAM द्वारा इस वर्ष शुरू की गई प्रीमियर व्याख्यान-शृंखला, जो अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) के सम्मान में है; पहला व्याख्यान Skyroot Aerospace के CEO पवन कुमार चंदना ने दिया।

स्रोत

1. प्रेस विज्ञप्ति: 65वां वार्षिक सम्मेलन, ISAM (रक्षा मंत्रालय) — https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2340726&lang=1&reg=1
2. सम्मेलन विवरण रिपोर्ट — https://ddnews.gov.in/en/65th-isam-annual-conference-to-focus-on-aeromedical-support-from-runway-to-orbit/
3. आयोजन के बाद की रिपोर्ट (27 नवंबर 2026): https://ddindia.co.in/2026/11/institute-of-aerospace-medicine-hosts-65th-isam-annual-conference-in-bengaluru/

PCSMANTRA.COM